श्रध्दा सबूरी मन में रक्खो साई वचन अनमोल लिरिक्स

श्रध्दा सबूरी मन में रक्खो,
साई वचन अनमोल,
सबका मालिक एक है बंदे,
ये ही जुबाँ से बोल।bd।

तर्ज – चाँदी जैसा रंग है तेरा।

जन्नत से भी अधिक मनोरम,
शिरडी ऐसी बस्ती,
सुबह-शाम और आठों याम है,
रहमत सदा बरसती,
नहीं है बढ़कर इसके जैसा,
दुनियाँ की कोई हस्ती,
डोर जीवन की सौंप दे इनको,
ना तू दर-दर डोल।
सबका मालिक एक है बंदे,
ये ही जुबाँ से बोल।bd।

तन-मन से तेरी करूँ मैं सेवा,
ऐसी किरपा कर दो,
भक्तों के हिरदय में अपनी,
भक्ति भावना भर दो,
कृपा तुम्हारी बनी रहे,
ऐसा तुम हमको वर दो,
मन मन्दिर में तुम्हें बिठा लूँ,
अंतरपट तू खोल।
सबका मालिक एक है बंदे,
ये ही जुबाँ से बोल।bd।

हर मुराद पूरी होती है,
जो श्रद्धा से ध्याये,
ऊदी तू माथे पे लगा,
दिल खुशियों से भर जाये,
जो सच्चे हिरदय से माँगे,
मनवांछित फल पाये,
'परशुराम'अब बाकी जीवन,
सब साई में खोल।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी देखने के लिए मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सबका मालिक एक है बंदे,
ये ही जुबाँ से बोल।bd।

श्रध्दा सबूरी मन में रक्खो,
साई वचन अनमोल,
सबका मालिक एक है बंदे,
ये ही जुबाँ से बोल।bd।

लेखक एवं प्रेषक – परशुराम उपाध्याय।
श्रीमानस-मण्डल, वाराणसी।
मो-9307386438

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com